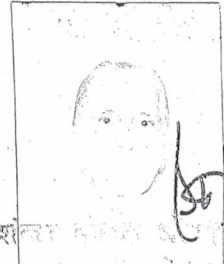


7/131

211  
570/97

85



शक्तिर  
वसन्त  
शक्तिर-लखनऊ

शक्तिर  
वसन्त  
शक्तिर-लखनऊ

::-- वसीयतनामा --::

मैं श्रीमती हरभजन कौर पत्नी सरदार सुरजीत सिंह, निवासी भवन संख्या- 6/1, चन्दरनगर, आलमबाग, शहर लखनऊ की हूँ।

जोकि मेरी आयु इस समय लगभग 68 वर्ष की हो चुकी है और जीवन का कोई भरोसा नहीं है कि कब जान तन से निकल जाये। लिहाजा मुझको वाजिब व लाजिम आया कि अपनी जिन्दगी में अपनी एक किता आराजी मिन-जुमला कसरा नम्बरी-588/1 {पाँच सौ अठ्ठासी बटा एक}, तादादी आठ{8} - बिस्वा सौलह {16} बिस्वान्सी सात{7}कववान्सी, वाकै मौजा बरगवाँ, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ का ऐसा इन्तजाम कर हूँ ताकि बाद मेरी मृत्यु के कोई झगडा मेरे उत्तराधिकारियों में पैदा न हो। मेरे दो पुत्र {1} - सरदार गुरमुख सिंह {2} सरदार गुरमीत सिंह मौजूद हैं, जो मेरी हर प्रकार की सेवा खैरत बराबर करते हैं। मेरी इच्छा है कि बाद मेरी मृत्यु के मेरी उक्त आराजी का मालिक कामिल व कावज मेराछोटा पुत्र सरदार गुरमुख सिंह, निवासी भवन संख्या-6/1, चन्दरनगर, आलमबाग, शहर लखनऊ हो। लिहाजा मैं अपनी सुधी व रजामन्दी से बिना किसी अनुचित दबाव के दुरूस्त होश-हवास में इस सोच व समझ कर निम्नीलिखित "वसीयत" तहरीर करती हूँ। जिसका अमल दरामद बाद मेरी मृत्यु के होगा :--

Hemkshian Har

{1} यहाँक जब तक मैं जीवित रहूँगी अपनी उपरोक्त आराजी को मालिक कामिल व कावज रहूँगी।

{2} यहाँक बाद मेरी मृत्यु के मेरी उपरोक्त आराजी का मालिक - कामिल व कावज मेराछोटा पुत्र सरदार गुरमुख सिंह पुत्र स्व0 सरदार सुरजीत सिंह, निवासी भवन संख्या-6/1, चन्दरनगर, आलमबाग, शहर लखनऊ होगा और

पठन किया.....  
मुलना किया.....

Hemkshian Har

शक्तिर-लखनऊ

वसियत

for 100 + 20 = 120 w/hov

16.12.97

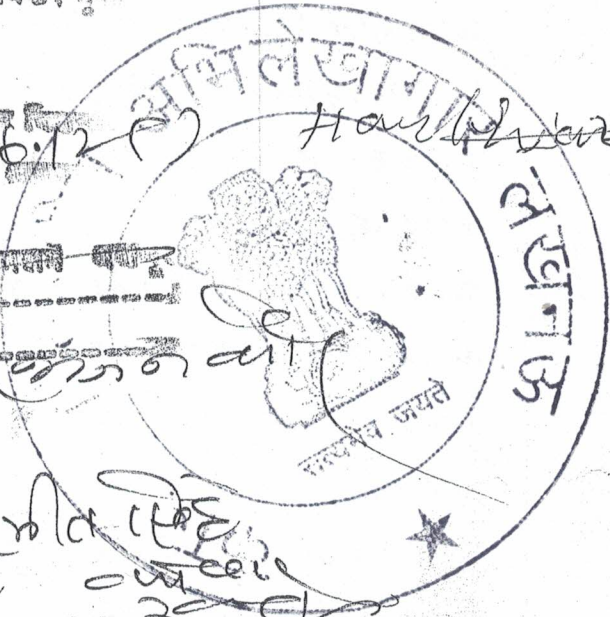
Harbhajan Kaur

1. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 2. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 3. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 4. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 5. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 6. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 7. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 8. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 9. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 10. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~

(16.12.97)

Harbhajan Kaur

1. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 2. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 3. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 4. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 5. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~



(m) preb



1. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 2. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 3. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 4. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~  
 5. ~~...~~ ~~...~~ ~~...~~

Harbhajan Kaur

(16.12.97)

Harbhajan Kaur

16.12.97

16.12.97

उसको मेरे समान कुल अधिकार मालिकाना प्राप्त होंगे ।

यहिक बाद मेरी मृत्यु के कोई दीगर श्रुत या मेरा कोई रिश्तेदार या मेरा दूसरा पुत्र सरदार गुरमीत सिंह कोई दावा व हक बाबत जायदाद वसीयती पेश करे, तो वह दावा उनका तहरीर वसीयतनामाके समक्ष नाजायज व बेअसर होगा।

लिहाजा यह दस्तावेज "वसीयतनामा" मैंने अपनी खुशी व रजामन्दी से लिहा किसी अनुचित दबाव के दुरुस्त होश हवास में छूब सोच व समझ कर बहक अपने बड़े पुत्र सरदार गुरमुख सिंह लिख दिया ताकि सनद रहे और समय पर काम आवे ।

::-- चौहद्दी आराजी वसीयती मजकूर --::

पूरुब	:-	गोदाम पी० सी० रफ० ।
पी०प०चम	:-	सड़क ।
दो०खन	:-	श्रीम गुरमुख सिंह ।
उत्तर	:-	श्रीम श्रीमती श्रुपेन्द्र कौर साहनी ।

.....

ल०अ० : दिनॉक  
15 दिसम्बर/1997ई०

हस्ताक्षर वसीयतकर्ता

*Harjit Singh*

साक्षीगण :- *Em...*

#18 *M. K. Mehta*  
पता:- *Here*

#28 *Shal*  
पता:- GURMEET SINGH

146/2 Chandee Nagar  
Alambyl L (K.P.)

पठन किया.....  
सुनना किया.....

टाइपकर्ता:-

श्रीवन कृष्ण तिवारी

*Harjit Singh*

दस्तावेज लिखक का नाम श्रीमान श्रीमान  
पता:- 31.3.90  
लिखक का नाम  
लिखक का पता  
दस्तावेज लिखक का हस्ताक्षर



प्राप्त दिनांक 16-12-99 को प्रो. ल. प्र. प्र.  
 पुस्तक संख्या 79 का पृष्ठ 43 है  
 पृष्ठ 25/28 पर कम संख्या  
 एजिस्ट्री मूल किया गया। 578

उप-निदेशक  
 लखनऊ

वही श्री जि. ए. सं. 26 के 508-301 से 300  
 पर 30 सं. 578 अ. 15 दिनांक 15-1-99 को  
 नगल की गई

पठन किया.....  
 तुलना किया.....

S.R. [Signature]  
 LK6

छात्रा प्रो. प्रमाणित  
 23/05/25

प्रभारी/रिकार्ड कीपर  
 के. अ. निम्बक मदन  
 लखनऊ

प्रभारी/रिकार्ड कीपर  
 के. अ. निम्बक मदन  
 लखनऊ